जय बजरंगबली स्वामी जय बजरंगबली आरती लिरिक्स

जय बजरंगबली,
स्वामी जय बजरंगबली,
जब ली शरण तुम्हारी,
जब ली शरण तुम्हारी,
तब सब विपत हरे,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

राम काज के कारण,
पार कियो सिंधु,
अपने भक्त जनों के,
तुम ही हो बंधू,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

भूत प्रेत के भय को,
क्षण भर में हरते,
विद्या बुध्दि बढ़ाकर,
सुख सम्पति करते,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

सीता पता लगाया,
अक्षय को मारा,
राक्षस पुंज पछाड़ा,
फिर लंका जारी,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

लक्ष्मण प्राण बचाए,
लाए अमृत बूटी,
बस एक आप ही लाते,
जीवन की बुटी,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

वायु पुत्र गुण सागर,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

आप ही कहलाये,
जय हनुमान महा प्रभु,
अंजनी के जाये,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

रामभक्त की आरती,
जो कोई नर गावे,
कहत शिवानन्द स्वामी,
सुख सम्पति पावे,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

जय बजरँगबली,
स्वामी जय बजरंगबली,
जब ली शरण तुम्हारी,
जब ली शरण तुम्हारी,
तब सब विपत हरे,
ॐ जय बजरंगबली।bd।

Upload By – Dev Patidar
8602107414
Video Not Available.

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com